(ग) तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) सरकार के पास इस संबंध में कितने आवेदन-पत्र विचाराधीन पड़े हैं और इन आवेदन-पत्रों को निपटाने के बाद सरकार द्वारा हरियाणा में कितने ऐसे उद्योगों की स्थापना की जाएगी?

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के० पी० सिंह देव): (क) से (ग) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों के समग्र विकास के लिए अनेक विकासात्मक योजना स्कीमें चला रहा है। योजना स्कीमों के तहत खाद्य प्रसंस्करण सुविधाओं की स्थापना/उन्नयन अथवा विस्तार, किसानों के साथ बैकवर्ड लिंकेज विकसित करने, सुअर मांस, पॉल्ट्री और अन्य मांस तथा मांस प्रसंस्करण सुविधाओं, टूना और अन्य मछली प्रसंस्करण सुविधाओं की स्थापना के लिए विपणन समर्थन, कोल्ड चेन की स्थापना, गहन समुद्री मत्स्यन जलयानों की खरीद पर ब्याज सब्सिडी, खाद्य प्रसंस्करण तथा पैकेजिंग में अनुसंधान तथा विकास तथा कतिपय क्षेत्रों में जनशक्ति को प्रशिक्षण देने के लिए राज्य सरकर के संगठनों/संयुक्त क्षेत्र/सहायता प्राप्त क्षेत्र की यूनिटों/सहकारिताओं/स्वयंसेवी संगठनों आदि को ब्याज मुक्त ऋण/अनुदान सहायता/सब्सिडी दी जाती है। निधि का आबंटन राज्य विशेष के आधार पर नहीं किया जाता क्योंकि प्रस्तावों को परियोजना के आधार पर मंजूरी दी जाती है।

(घ) मंत्रालय स्वयं किसी राज्य में खाद्य प्रसंस्करण यूनिटों की स्थापना नहीं करता। विभिन्न राज्य से प्राप्त हुए प्रस्तावों पर कार्रवाई शुरू की जा चुकी है। हरियाणा राज्य का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

काटे गए/लगाए गए पेड़ों के बारे में किया गया सर्वेक्षण

934. **श्री नागमणि:**
चौधरी हरमोहन सिंह:

क्या **पर्यावरण और वन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने गत तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष काटे गए और लगाए गए पेड़ों की संख्या का पता लगाने के लिए कोई सर्वेक्षण किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी राज्य वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में वृक्षारोपण की संभावनाओं का पता लगाया है;

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री राजेश पायलट): (क) और (ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान काटे गए पेड़ों की संख्या मालूम करने के लिए कोई सर्वेक्षण नहीं किया गया। तथापि, 1991-92 तथा 1992-93 के दौरान की गई पौधरोपण के संबंध में देश के 44 जिलों, जिनका याच्छिक चयन किया गया, में पौधरोपण की उत्तरजीविता का सर्वेक्षण किया गया और ब्यौरे विवरण I-II में दिखाए गए है। **(नीचे देखिए)**

भारतीय वन सर्वेक्षण देश के वन आवरण की निरन्तर निगरानी करता है और दो साल के अंतराल में अपनी रिपोर्ट प्रकाशित करता है।

(ग) और (घ) जी, हां। बीस सूत्री कार्यक्रम केतहत देश भर में वनीकरण और पौधरोपण गतिविधियां चलाई जाती हैं। बशर्ते केन्द्रीय राज्य योजनाओं के तहत इसके लिए समग्र रूप से निधियां उपलब्ध हों। वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के लिए क्रमशः 79288.02 लाख रुपए, 90177.14 लाख रुपए और 91599.21 लाख रुपए की निधियां बंटित की गई। इसी प्रकार पिछले तीन वर्षों के दौरान निजी भूमि पर पौधरोपण के लिए पौध वितरण की उपलब्धि क्रमशः 12450.87, 11097.61 और 10810.65 लाख है और कवर किया गया क्षेत्र जिसमें वन भूमि सहित सार्वजनिक भूमि शामिल हैं क्रमशः 1062225.52, 96380, 963888.17 और 984102.05 हेक्टेयर है।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

विवरण-I

वर्ष 1991-92 के दौरान के लिए पौधरोपण के संबंध में स्वतंत्र विशेषज्ञों/एजेंसियों के जरिए लिए गए उत्तरजीविता दर अध्ययनों के परिणाम।

क्र०सं०	जिले का नाम	राज्य का नाम	औसत उत्तरजीविता प्रतिशतता
1.	पश्चिम त्रिपुरा	त्रिपुरा	70.6
2.	पश्चिम कमेंग	अरुणाचल प्रदेश	80.3
3.	पश्चिम खासी पहाड़ियां	मेघालय	65.8
4.	मेहसना	गुजरात	70.0 से ऊपर
5.	कोरापुट	उड़ीसा	85.0—90.0
6.	मंडी	हिमाचल प्रदेश	78.34
7.	अलवर	राजस्थान	88.22
8.	संगरपुर	पंजाब	86.4
9.	जालौन	उत्तर प्रदेश	82.85
10.	बरेली	उत्तर प्रदेश	74.25
11.	सरगुजा	मध्य प्रदेश	75.48
12.	जोहार्ट	असम	40.0—50.0
13.	मकाकचुंग	नागालैंड	80.0—90.0
14.	मणिपुर	मणिपुर	70.0—80.0
15.	भहराइच	गुजरात	85.2
16.	चन्द्रपुर	महाराष्ट्र	64.5
17.	छिंदवाड़ा	मध्य प्रदेश	61.3
18.	कपूरथला	पंजाब	91.7
19.	मिदनापुर	पश्चिम बंगाल	49.2
20.	नादिया	पश्चिम बंगाल	79.6
21.	संबलपुर	उड़ीसा	81.4
22.	दक्षिणी सिक्किम	सिक्किम	50.6
23.	मेड़क	कर्नाटक	62.8
24.	गोआ	गोआ	68.0
25.	इदुकी	केरल	71.78
26.	कसारगढ़	केरल	84.83
27.	जलगांव	महाराष्ट्र	77.71
28.	तंजावूर	तमिलनाडु	81.2
29.	पूर्वी गोदावरी	आन्ध्र प्रदेश	68.28
30.	कठुआ	जम्मू एवं कश्मीर	62.17
31.	कोलार	कर्नाटक	70.6—90
32.	बस्तर	मध्य प्रदेश	82.07
33.	पौढ़ी गढ़वाल	उत्तर प्रदेश	77.72
34.	जामनगर	गुजरात	70.0 से ऊपर
35.	बाढ़मेर	राजस्थान	72.0
36.	मंदसौर	मध्य प्रदेश	51.43
37.	चुरू	राजस्थान	72 से 87
38.	दुन्दरपुर	राजस्थान	65 से 85
39.	भिवानी	हरियाणा	60 से 98
40.	निल्लौर	आंध्र प्रदेश	82.7
41.	नीलगिरि	तमिलनाडु	70 से 90
42.	गुलबर्ग	कर्नाटक	22
43.	मंगलौर	कर्नाटक	87
44.	धर्मपुरी	तमिलनाडु	69

प्रजाति वार/स्थान वार विविधता के अधीन

विवरण-II

वर्ष 1991-92 के दौरान के लिए पौधरोपण के संबंध में स्वतंत्र विशेषज्ञों/एजेंसियों के जरिए लिए गए उत्तरजीवितता दर अध्ययनों के परिणाम।

क्र०सं०	जिले का नाम	राज्य का नाम	औसतउत्तरजीवितता प्रतिशतता
1.	महबूबनगर	आंध्र प्रदेश	67.17
2.	त्रिसूर	केरल	44.53
3.	शिमोगा	कर्नाटक	67.39
4.	खाम्मम	आंध्र प्रदेश	63.73
5.	होशंगाबाद	मध्य रदेश	72.34
6.	वयलोन	केरल	84.78
7.	बर्न	राजस्थान	79.00
8.	बिकानेर	राजस्थान	68.25
9.	उदयपुर	राजस्थान	72.75
10.	सिंघभूम	बिहार	84.85
11.	जलपाइगुड़ि	पश्चिम बंगाल	55.5
12.	धूले	महाराष्ट्र	74.92
13.	पश्चिम सिक्किम	सिक्किम	51.13
14.	सालेम	तमिलनाडु	72.5
15.	पूर्वी खासी हिल्स	मेघालय	59.5
16.	पश्चिम मणिपुर	मणिपुर	79.7
17.	उत्तरी त्रिपुरा	त्रिपुरा	73.7
18.	कार्बी अंगलोंग	असम	60
19.	पूजवाल	मिजोरम	55 से 65
20.	कोहिमा	नागालैंड	70 से 80
21.	पश्चिम सैंग	अरुणाचल प्रदेश	60 से 70
22.	फूलबणी	उड़ीसा	85 से 95
23.	उत्तरी अरकोट	तमिलनाडु	84
24.	पेरियाल	केरल	79
25.	चम्बा	हिमाचल प्रदेश	59.48
26.	रोहतक	हरियाणा	83.6
27.	भटिंडा	पंजाब	80
28.	अम्बाला	हरियाणा	67 से 78
29.	होशियारपुर	पंजाब	62 से 86
30.	गोरखपुर	उत्तर प्रदेश	63.31
31.	पिथोरागढ़	उत्तर प्रदेश	60
32.	मिर्जापुर	उत्तर प्रदेश	65
33.	शिवपुरी	मधय प्रदेश	78.4
34.	कुड्डप्पा	आन्ध्र प्रदेश	60
35.	जूनागढ़	गुजरात	70.8
36.	भंडारा	महाराष्ट्र	65.93
37.	उधमपुर	जम्मू एवं कश्मीर	82.1
38.	पुरूलिया	बिहार	0. से 90
39.	पश्चिम चम्पारन	बिहार	82
40.	सिरमौर	हिमाचल प्रदेश	67.17
41.	सुन्दरगढ़	उड़ीसा	86.7
42.	धनकनाल	उड़ीसा	80 से 93
43.	कोल्हापुर	महाराष्ट्र	85
44.	बिलासपुर	मध्य प्रदेश	75